[Shri Eduardo Faleiro]

redress their very just and genuine grievances. On the 16th, a big clash had already taken place. A procession of traditional fishermen was disturbed and about 50 persons were seriously injured. The news has appeared in all national dailies. It has been appearing in all the newspapers for the last three days and yet no steps are being taken. An assurance was given to me and to this House during the last session that steps will be taken and that a commtitee would be appointed.

The only demand of the people of that territory—at least 10 per cent of the people of the union territory constitute the fishermen community—is that, at least now before the situations turns worse and reaches the point of no-return, the Central Government must intervene in that Territory and must take immediate steps. I have been noting with great regret that the Union Territories are being neglected. That may be because their representatives here, neither in terms of number nor in terms of power are able to pressurize and put their points forcefully. That may be the reason. The Union Territories must be taken more seriously. This matter specifically has to be taken more seriously. I would request the Government, I would request through you, sir, the Minister of Home Affairs and the Minister of Agriculture. to look into this matter immediately and take immediate and forthright steps to redress the genuine and just grievances of this poor and backward community of traditional fishermen.

17.11 hrs.

(iv) SHORT SUPPLY OF SALT IN BIHAR AND RISE IN PRICE THEREOF.

श्री विनायक प्रसाद यादव (सहरसा) : सभापति महोदय, मैं सदन और सरकार का ध्यान बिहार में नमक की बराबर कमी और उस की भयंकर महंगाई की ओर दिलाना चाहता हूं। आज से पंद्रह, बीस दिन पहले बिहार के बाजारों से नमक यकायक गायब हो गया, और कई दिन तक गायब रहा। आप को सुन कर आश्चर्य होगा कि दो तीन रोज पहले वहां कहीं कहीं नमक का दाम दो रुपये किलो तक हो गया था। अभी कुछ नमक बाजार में आ गया है, लेकिन वह रुपये, डेढ़ रुपये किलो के हिसाब से मिल रहा है।

नमक की कमी को लेकर बिहार में भयंकर स्थिति उत्पन्न हो गई है। आप जानते हैं कि हम और आप सब लोग नमक खाते हैं, लेकिन हमसे और आप से ज्यादा नमक की जरूरत आबादी के उस 55,60 फीसदी हिस्से को होती है, जो गरीबी की रेखा के नीचे रहता है। हमें और आप को तो दाल या सब्जी मिल जाती है, लेकिन आबादी के एक बहुत बड़े हिस्से को ना दाल मिलती है और न सब्जी मिलती है, बल्कि वे लोग सिर्फ रोटी या भात-चावल पर नमक डाल कर खाते हैं। इसलिए नमक की महंगाई और कमी के कारण बिहार में भयंकर हाहाकार मचा हुआ है। रेपसीड आयल और कड़वे तेल की भी कमी थी, मगर उन के बगैर लोग गुजारा कर सकते हैं, जब कि नमक के बिना लोगों का एक रोज भी काम चलना मुश्किल है।

मैं आग्रह करना चाहता हूं कि व्यापार मंत्री अविलम्ब बिहार की नमक की स्थिति को देखें, और उस की महंगाई तथा कमी को दूर करें। अभी पंद्रह बीस दिन पहले नमक 30, 35 पैसे किलो के हिसाब से मिलता था, जब कि आज वह रुपये, डेढ़ रुपये किलो के हिसाब से मिल रहा है। इस के कारण बिहार में हाहाकार मचा हुआ है और लोग बहुत परेशानी में हैं।

———